स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर हिन्दी–विषय के अध्ययन की उपयोगिता (Programme Outcome)

स्नातक एवं स्नातकोत्तर **(B.A, B.Sc, B.Com, M.A.)** कक्षाओं में हिन्दी–विषय के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी को निम्नलिखित लाभ होंगे, जो कि इस विषय की उपादेयता को सिद्ध करते हैं –

1. विद्यार्थियों में साहित्य, भाषा एवं कौशल संवर्द्धन से संबंधित पाठ्यक्रम का अध्ययन उनमें नैतिक आचार भूमि तैयार करेगा।
2. साहित्य मानव को जीने की कला सिखाता है।
3. साहित्य न केवल समाज का दर्पण है बल्कि मनुष्य को संवेदनशील बनाने का आश्रय भी है। विद्यार्थी में मानवीय गुणों का विकास करने में यह अध्ययन नितान्त उपयोगी साबित होगा।
4. भाषा के ज्ञान के साथ–साथ भाषागत् संप्रेषणीयता का उत्तम विकास।
5. रचनाधर्मिता को विकसित करने में सहायक।
6. प्रत्येक छात्र–छात्रा अपनी रुचि के अनुकूल लेखन कार्य में प्रवृत्त हो सकते हैं।
7. व्यक्तित्व का बहुमुखी विकास अर्थात् बोलने के साथ–साथ लेखन कला का भी ज्ञान प्राप्त होगा।

अतः उपर्युक्त समस्त बिन्दुओं के अवगाहन के उपरान्त विद्यार्थी के व्यक्तित्व में इस पाठ्यक्रम के अनुरूप अध्ययन करने से आमूल चूल परिवर्तन होंगे, जिससे उसमें विद्धता के साथ–साथ एक उत्तम नागरिक के रूप में मानवीय गुणों का विकास होगा।

बी0ए0 प्रथम सेमेस्टर

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास (Core Course)

हिन्दी साहित्य का इतिहास, हिन्दी भाषा की उत्पत्ति से लेकर वर्तमान स्वरूप तक के समग्र अध्ययन का मुख्य स्त्रोत है। जिसके अंतर्गत समाज के विभिन्न पहलुओं का साहित्यिक दृष्टिकोण से विस्तृत स्वरूप उजागर होता है।

2. आधुनिक भारतीय भाषा हिन्दी (MIL)

(क) हिन्दी भाषा और साहित्य

हिन्दी भाषा की उत्पत्ति एवं विकास क्रम के साथ साहित्य का अध्ययन एवं समाज के स्वरूप को स्पष्ट करने का सशक्त माध्यम है। हिन्दी भाषा का विस्तार एवं विकास उसके साहित्यिक विकास के आधार पर आधारित है।

(ख) हिन्दी गद्यः उद्भव एवं विकास

शैलीगत वैशिष्ट्य की पहचान एवं परख और साहित्य में गद्य का महत्व, कहानी, उपन्यास एवं स्वतंत्र विधाओं में विद्यार्थी की शैलीगत क्षमता एवं विकास को प्रोत्साहन देना।

3. हिन्दी योग्यता संवर्द्धक पाठ्यक्रम (AECC)

(क) हिन्दी का व्यावहारिक व्याकरण शास्त्र

भाषा और व्याकरण के माध्यम से छात्र–छात्राओं को व्याकरण का व्यावहारिक ज्ञान देना। शब्द परिचय वाक्य भेद, लिंग, वचन, कारक, संधि, समास, आदि से अवगत कराना और उनका बौद्धिक विकास करना आदि।

(ख) हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण

भाषाई पहचान एवं उसके सरोकारों का परिचय, भाषा के आदान–प्रदान की क्षमता एवं कौशल को संबल देना। छात्र–छात्राओं की भाषिक क्षमता का विकास एवं अभिव्यक्ति में सहायक सिद्ध होना।

बी0ए0 द्वितीय सेमेस्टर

2.1 मध्यकालीन हिन्दी कविता (Core Course-2)

भक्तिकाल एवं रीतिकाल का अध्ययन हिन्दी साहित्य का मुख्य विषय है। इसी के आधार पर संपूर्ण साहित्य को समझने में सहायता प्राप्त होगीं।

2.2 हिन्दी योग्यता संवर्द्धक पाठ्यक्रम (AECC)

(क) हिन्दी का व्यावहारिक व्याकरण शास्त्र

भाषा और व्याकरण के माध्यम से छात्र–छात्राओं को व्याकरण का व्यावहारिक ज्ञान देना। शब्द परिचय वाक्य भेद, लिंग, वचन, कारक, संधि, समास, आदि से अवगत कराना और उनका बौद्धिक विकास करना आदि।

(ख) हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण

भाषाई पहचान एवं उसके सरोकारों का परिचय, भाषा के आदान–प्रदान की क्षमता एवं कौशल को संबल देना। छात्र–छात्राओं की भाषिक क्षमता का विकास एवं अभिव्यक्ति में सहायक सिद्ध होना।

2.3 आधुनिक भारतीय भाषा

(क) हिन्दी भाषा और साहित्य

हिन्दी भाषा की उत्पत्ति एवं विकास क्रम के साथ साहित्य का अध्ययन एवं समाज के स्वरूप को स्पष्ट करने का सशक्त माध्यम है। हिन्दी भाषा की उत्पत्ति एवं विकास उसके साहित्यिक विकास के आधार पर आधारित है।

(ख) हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास

शैलीगत वैशिष्ट्य की पहचान एवं परख और साहित्य में गद्य का महत्व, कहानी, उपन्यास एवं स्वतंत्र विधाओं में विद्यार्थी की शैलीगत क्षमता एवं विकास को प्रोत्साहन देना।

बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर

1. **आधुनिक हिन्दी कविता**
   काव्य के बोध को जागृत करना, वर्तमान कविता शैली से परिचय, मध्ययुगीन बोध एवं आधुनिक बोध में साम्य एवं वैषम्य, विभिन्न वृत्तियों के माध्यम से सामाजिक कटाक्ष का ज्ञान करवाना। राष्ट्रीय कविताओं के माध्यम से राष्ट्रप्रेम की भावनाओं को जागृत करना।

2. **हिन्दी : कौशल – संवर्द्धक पाठ्यक्रम (SEC) कार्यालयी हिन्दी**
   छात्र–छात्राओं के भविष्य को देखते हुए उनके व्यवसाय, संवर्द्धन एवं हिन्दी भाषा के ज्ञान का संवर्द्धन करना। वर्तमान आवश्यकतानुसार सम्पूर्ण कार्यालयी कार्यों में दक्षता हासिल करना।

   (क) हिन्दी गद्य का उद्‌भव और विकास
   शैलीगत वैशिष्ट्य की पहचान एवं परख और साहित्य में गद्य का महत्व, कहानी, उपन्यास एवं स्वतंत्र विधाओं में विद्यार्थी की शैलीगत क्षमता एवं विकास को प्रोत्साहन देना।

   (ख) हिन्दी भाषा और साहित्य
   हिन्दी भाषा की उत्पत्ति एवं विकास क्रम के साथ साहित्य का अध्ययन एवं समाज के स्वरूप को स्पष्ट करने का सशक्त माध्यम है। हिन्दी भाषा का विस्तार एवं विकास उसके साहित्यिक विकास के आधार पर आधारित है।

बी0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर

1. **हिन्दी गद्य साहित्य (कोर)**
   हिन्दी साहित्य की सामान्यतः सम्पूर्ण विधाओं का परिचय एवं बोध। आलोचनात्मक विवेचना और समीक्षात्मक ज्ञान की परिधि एवं गुणवत्ता का विकास करना।

2. **हिन्दी कौशल–संवर्द्धक पाठ्यक्रम (SEC)–भाषा कंप्यूटिंग**
   छात्र–छात्राओं को कंप्यूटर का ज्ञान आधुनिक तकनीकी एवं विभिन्न प्रकार के संचार माध्यमों से जोड़ना एवं आधुनिक तकनीकी विकास का लाभ छात्र–छात्राओं तक पहुँचाना।

बी0ए0 पंचम सेमेस्टर

1. **विषय आधुनिक ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Disicipline Specific Elective-1)**
   (क) लोक साहित्य
   सांस्कृतिक विरासत के रूप में आगामी पीढ़ी को परिचित कराना और छात्रों को अपनी लोक संस्कृति एवं भाषा, व्यवहार, के आदान–प्रदान की सीख देना व पौराणिक विरासत को संजोए रखना एवं उसका संरक्षण करना।

(ख) छायावादोत्तर हिन्दी कविता

वर्तमान यथार्थ से परिचित, संवेदनाहीन समाज को उजागर कर उसमें सुधार की भावना, आधुनिक तनाव एवं विसंगतियों से परिचर्य, मानवतावाद एवं अतिमानव की कल्पना का समाहार है।

2. हिन्दी कौशल–संवर्द्धक पाठ्यक्रमअ (SEC)–भाषा शिक्षण

भाषा शिक्षण का उद्देश्य भाषिक ज्ञान से परिचित कराना, अभिव्यक्ति, उच्चारण क्षमता को बल प्रदान करना। विभिन्न भाषाई ज्ञान से परिचय एवं भावनात्मक लगााव आदि। समय एवं स्थान की दृष्टि से भाषा का ज्ञान एवं प्रयोग करना सिखाना।

3. सामान्य (जेनरिक) ऐच्छिक पाठ्यक्रम: Generic Elective ; Any One-1

(क) साहित्य विवेचन

साहित्य, समाज एवं यथार्थ बोध का विवेचन ही साहित्य विवेचन ही साहित्य विवेचन का उद्देश्य है।

(ख) हिन्दी की सांस्कृतिक पत्रकारिता

अपनी सांस्कृतिक विरासत को विभिन्न विधाओं के माध्यम से समाज तक पहुँचाना एवं छात्र–छात्राओं को रंगमंच कौशल के माध्यम, वृत्तचित्र, लघुफिल्म आदि धारावाहिक के माध्यम से ज्ञान देना।

बी0ए0 षष्ठ् सेमेस्टर

1. विषय आधुनिक ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Disicipline Specific Elective-1)

(क) प्रयोजनमूलक हिन्दी

विद्यार्थियों को भाषा के ज्ञान का परिचय करवाना। हिन्दी पत्रकारिता के संक्षिप्त इतिहास की जानकारी देना। पत्रकारिता के माध्यम से आधुनिक समाज एवं साहित्य के ज्ञान का परिचय करवाना। वर्तमान संदर्भ में विभिन्न कार्यालयों में अनुवाद, प्रयोजनमूलक हिन्दी, कार्यालयी हिन्दी का ज्ञान रोजगारपूरक शिक्षण का मुख्य स्त्रोत है।

(ख) रेखाचित्र तथा संस्मरण

संस्मरणात्मक विधा का परिचय इसका उद्देश्य है, साहित्य की अहम विधाओं से छात्रों को परिचित करवाना। गद्य साहित्य के प्रति उनकी रूचि को बढ़ावा देना।

2. हिन्दी कौशल–संवर्द्धक पाठ्यक्रम (SEC)–अनुवाद विज्ञान

वर्तमान प्रासंगिकता के अनुरूप अनुवाद विज्ञान का ज्ञान देना एवं रोजगार परख शिक्षा व विभिन्न भाषाओं का अनुवाद के रूप में अपना भविष्य बनाना और साहित्य एवं अनुवाद के अंतः संबंध को जानना।

3. सामान्य (जेनरिक) ऐच्छिक पाठ्यक्रम : Generic Elective ; Any One-1

(क) आधुनिक भारतीय साहित्य

वर्तमान साहित्य का ज्ञान देना, विभिन्न विचार धाराओं संबंधी ज्ञान देना, राष्ट्रीयता की भावना का विकास करना। नारी विमर्श की पहचान एवं परख।

(ख) सृजनात्मक लेखन के विविध आयाम

लेखन संबंधी ज्ञान को बढ़ावा देना, आधुनिक तकनीक का ज्ञान, गद्य की विभिन्न विधाओं का ज्ञान देना तथा सृजनशीलता के गुणों को विकसित करना।